

वियतनाम भारत की एकट ईस्ट पॉलिसी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है: लोक सभा अध्यक्ष

...

हमारे भारत-प्रशांत लक्ष्यों के लिए वियतनाम एक प्रमुख सहभागी है: लोक सभा अध्यक्ष

...

भारत और वियतनाम के बीच वस्तुओं और सेवाओं का व्यापारिक आदान-प्रदान और अधिक हो: लोक सभा अध्यक्ष

...

वियतनाम की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष श्री महामहिम वुओंग दिन्ह हुए ने लोक सभा अध्यक्ष से भेंट की

...

नई दिल्ली, 16 दिसंबर, 2021: वियतनाम की नेशनल असेंबली (संसद) के अध्यक्ष महामहिम श्री वुओंग दिन्ह हुए के नेतृत्व में भारत के दौरे पर आए एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल, ने आज लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से मुलाकात की।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि वर्ष 2016 में भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की वियतनाम यात्रा तथा दिसंबर 2020 में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच वर्चुअल शिखर सम्मेलन से भारत-वियतनाम संबंधों को एक नई दिशा मिली है, श्री बिरला ने संतोष व्यक्त किया कि राजनीतिक आदान-प्रदान से लेकर रक्षा, व्यापार, वाणिज्य, तथा सांस्कृतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज वियतनाम भारत की एकट ईस्ट पॉलिसी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और भारत-प्रशांत लक्ष्यों के लिए एक प्रमुख सहभागी है।

श्री बिरला ने जोर देकर कहा कि हम भारत-वियतनाम की संसदीय डिप्लोमेसी को और मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से हम भारत-वियतनाम मैत्री समूह का गठन कर रहे हैं ताकि हमारे प्रतिनिधिगण निरंतर आपसी चर्चा के माध्यम से दोनों देशों की संसदों के आपसी संबंधों को नया आयाम दे सकें।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत और वियतनाम के बीच व्यापार एवं वाणिज्यिक संस्थाओं के माध्यम से आपस में वस्तुओं और सेवाओं का व्यापारिक आदान-प्रदान और अधिक होनी चाहिए जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों की श्रृंखला और मजबूत हो। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि वियतनाम में भारत के निवेशक भी मौजूद हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों के अंदर सराहनीय योगदान कर रहे हैं।

श्री बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि सतत विकास और हरित अर्थव्यवस्था में सहयोग दोनों देशों के मध्य भावी साझेदारी के लिए नया अवसर है। उन्होंने याद दिलाया कि भारत और वियतनाम के प्रधानमंत्रियों ने COP-26 की बैठक के दौरान जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं जिसके अच्छे परिणाम होंगे।

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा रसायन और उर्वरक मंत्री श्री मनसुख मंडाविया; पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा श्रम और रोजगार मंत्री श्री भूपेंद्र यादव; सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे और अन्य सांसद भी इस अवसर पर उपस्थित थे।